हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, गुरुवार 19 मार्च 2026

12 टीम ने कॉलेज में मॉक ड्रिल कर आपदा में बचाव के...

12 सरकारी खरीद में लागू किए नए नियमों का किया विरोध

खबर संक्षेप

एंटी रेबीज टीकाकरण और माईक्रोचिप का कैंप कल

भिवानी। सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की अनुपालना करते हुए एनिमल सिम्पैथी ऑर्गेनाइजेशन द्वारा भारत देश के प्रत्येक शहरों में आवारा व पालतु कुत्तों को एंटी रेबीज टीकाकरण व माईक्रोचिप लगाने का कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत एनिमल सिम्पैथी ऑर्गेनाइजेशन द्वारा 20 मार्च को प्रातः 10 से 12 बजे तक चौधरी बंसीलाल पार्क में एंटी रेबीज टीकाकरण व माईक्रोचिप लगाने के लिए कैम्प का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए ऑर्गेनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर कुमार ने बताया कि कैम्प में डा. विपिन कटारिया व पलवल से डॉ. शिवकुमार अपनी टीम के साथ बेसहारा व पालतु कुतों को निःशुल्क एंटी रेबीज टीकाकरण व माइक्रोचिप लगाने का कार्य करेंगे। कैंप का शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक करेंगे।

बार काउंसिल का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न

चरखी दादरी। माननीय सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग के निर्देश पर बुधवार को जिला में माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय बार काउंसिल का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ मुनीश नागपाल ने चुनाव प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों पर पहली बार उच्च न्यायालय बार काउंसिल के मतदान चुनाव आयोग के माध्यम से करवाए गए हैं।

सीएमओ बोलेः आपके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत नहीं, पैरा मेडिकल स्टाफ की लगाए डयूटी

बवानीखेड़ा अस्पताल की 24x7 आपातकालीन सेवाओं पर विराम

तीन चिकित्सकों के सहारे साढ़े तीन सौ मरीजों की ओपीडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

शायद आप को यकीन न हो लेकिन यह सौ फीसदी सत्य है कि अब 50 बिस्तरों वाले अस्पताल के हालत बद से बदतर हो चुके हैं। विगत में सरकार ने उक्त अस्पताल को सौ बिस्तरों का बनाने की घोषणा की थी, लेकिन उस पर आज तक अमल नहीं हुआ। बल्कि अस्पताल की सुविधाओं से ही हाथ खींचना शुरू हो गया। हालात ये बने है कि अस्पताल में चिकित्सकों के अभाव में बवानीखेड़ा के सरकारी अस्पताल की 24 घंटे सातों दिन होने वाली आपातकालीन की सुविधाओं पर विराम लग चुका है। अब केवल अस्पताल में तीन चिकित्सकों के सहारे रोजाना होने वाली करीब 300 ओपीडी को निपटाया जा रहा है। जबकि यहां 11 चिकित्सकों की पद है। बाकी बचे सभी पद रिक्त पड़े। स्वास्थ्य विभाग इस तरह के फरमान के बाद क्षेत्र के लोगों में रोष व्याप्त है। दूसरी तरफ सीएमओ ने बवानीखेड़ा के चिकित्सा अधिकारी को इस तरह की गलती दोबारा न करने की नसीहत दी। साथ ही पैरा मेडिकल स्टाफ के आधार पर 24 घंटे आपातकालीन सेवाए जारी रखने के निर्देश दिए है।

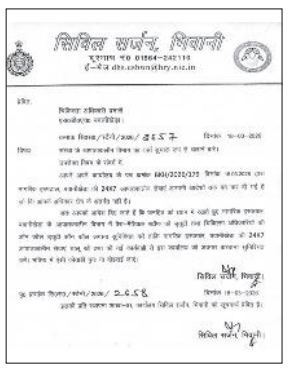

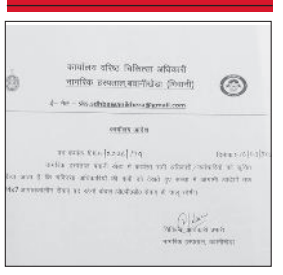

उल्लेखनीय है कि बवानीखेड़ा अस्पताल में 11 चिकित्सकों के पद हैं। जिनमें से एक चिकित्सक का तबादला हो चुका है। इनके अलावा चार चिकित्सक कोर्स पर चले गए, जिसके बाद उनके पद रिक्त हो गए है। एक चिकित्सक को बलियाली पीएचसी में भेज दिया गया है। एक अन्य चिकित्सक करीब छह माह की छुट्टी चले गए है। एक महिला चिकित्सक प्रशिक्षण पर है। बाकी बचे तीन चिकित्सक ही अस्पताल में रोजाना बारी बारी से ओपीड़ी कर रहे है। अस्पताल में रोजाना करीब तीन सौ से साढ़े तीन लोग उपचार के लिए पहुंच रहे है।

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा अस्पताल में उपचाराधीन मरीज।

सिविल सर्जन, भिवानी

सीएमओ द्वारा जारी किया गया पत्र।

रोजाना की 300 की ओपीडी,इलाज करने वाले महज तीन चिकित्सक

कार्यालय वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
नागरिक हस्पताल बवानीखेड़ा (भिवानी)

बवानीखेड़ा के चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी किया गया पत्र।

अधिकारी ने भेजा आला अधिकारियों को पत्र

बवानीखेड़ा अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी ने चिकित्सकों की कमी के चलते अस्पताल में 24 घंटे सात दिनों आपातकालीन सेवाएं बंद करने से संबंधित जानकारी भेजी है। भेजे गए पत्र में बताया कि अस्पताल में चिकित्सकों की कमी है और उस वजह से आपातकालीन सेवाए बंद की जा रही है। उन्होंने पत्र में यह नहीं बताया कि ये सुविधाए कब तक बंद रहेंगी।

सिर से पानी उतर जाए तो इस तरह का उठाया जाता है कदम

बवानीखेड़ा अस्पताल में 24 घंटे सात दिन आपातकालीन सेवा बंद करने का फैसला लिया गया है। यह किन परिस्थितियों में लिया गया यह तो बवानीखेड़ा के चिकित्सा अधिकारी ही बता सकते है,लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं से जुडे लोगों का तर्क है कि सरकारी सेवा में जिम्मेदारी लेने से हर कोई बचता है। सभी मिलने वाली सरकारी सुविधाओं का हवाला देकर छुट्टी या कोर्स पर चले जाते है। उनको जाने से रोका भी नहीं जा सकता।

आपके अधिकार क्षेत्र में नहीं : सीएमओ

सीएमओ रघबीर सिंह शांडिल्य ने पत्र जारी करके कहा कि बवानीखेड़ा अस्तपाल में 24 घंटे सातों दिन आपातकालीन सेवाए आगामी आदेशों तक बंद कर दी गई है,जो कि आपके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत नहीं है। जारी पत्र में बताया कि बवानीखेड़ा के आपातकालीन विभाग में पैरा मेडिकल स्टाफ की डयूटी तथा चिकित्सा अधिकारियों की ऑन कॉल डयूटी कॉल लगाना सुनिश्चित करें ताकि नागरिक अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सेवाए चालू रह सके। भविष्य में ऐसी कोताही दोबारा न दोहराई जाए।

क्या कहते है विधायक

इस बारे में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने बताया कि उनको आज ही सोशल मीडिया पर जानकारी मिली थी। उसके बाद बवानीखेड़ा के नागरिक अस्पताल में आपातकालीन सेवाएं सात दिन व 24 घंटे चालू रखने के निर्देश दिए है। इस बारे में सीएमओ से भी बातचीत हुई है।

सफाई कर्मियों का फूटा गुस्सा झाड़ू प्रदर्शन कर फूंका पुतला

भिवानी। नगर परिषद कार्यालय के बाहर सरकार का पुतला फूंकते सफाई कर्मचारी।

- सफाईकर्मियों ने ठेका प्रथा के खिलाफ आर-पार की जंग का किया ऐलान
- 30 हजार न्यूनतम वेतन लागू करने व ठेका प्रथा बंद करने की उठाई मांग
- ठेका प्रथा के जाल में फंसाकर सफाई कर्मचारियों का शोषण कर रही सरकार : दानव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा के नगर निकायों में कार्यरत सफाई और सीवर कर्मचारियों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नगर पालिका कर्मचारी संघ ने बुधवार को प्रदेशभर में ठेकेदारी प्रथा का पुतला फूंकते हुए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इसी कड़ी में भिवानी में सफाई कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार का पुतला फूंका। नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव पुरूषोत्तम दानव के नेतृत्व में किए प्रदर्शन व भेजे ज्ञापन में सीधा आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने 13 वर्षों के शासन में न नियमित भर्तियां की और न कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1997 के बाद से प्रदेश में सफाई कर्मचारियों की कोई नियमित भर्ती नहीं हुई है, जिससे व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। दानव ने सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। इस अवसर पर प्रधान जयहिंद, सचिव रमेश, बाला, मनीषा, भारत, शेर सिंह व जयपाल आदि मौजूद रहे।

मांगें नहीं मानी तो प्रदेशभर में होगा आंदोलन

कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि न्यूनतम वेतन और नियमितीकरण की मांगें नहीं मानी तो आंदोलन पूरे प्रदेश को ठप कर देगा। कर्मचारियों ने मांग की कि निकायों और नगर निगमों में सफाई व सीवर के काम में आउटसोर्सिंग और ठेका प्रथा को तुरंत बंद किया जाए, जनसंख्या के अनुपात में नए पद सृजित कर नियमित भर्ती की जाए, हरियाणा कौशल रोजगार निगम, पालिका रोल और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए दो वर्ष की सरल रेगुलाइजेशन नीति बनाकर उन्हें पक्का किया जाए, समान काम-समान वेतन के सिद्धांत पर न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए।

वीडियो वायरल मामले में लिपिक निलंबित

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए तहसील कार्यालय में कार्यरत लिपिक पंकज को निलंबित कर दिया। यह कार्रवाई प्रारंभिक जांच के आधार पर की गई है। डीसी श्री गुप्ता द्वारा जारी आदेशों के अनुसार निलंबन अवधि के दौरान संबंधित कर्मचारी को हरियाणा सिविल सेवा नियमावली 2016 के तहत नियमानुसार गुजारा भत्ता दिया जाएगा। मामले की जांच जारी रहेगी और आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई भी की जाएगी। निलंबन अवधि में लिपिक पंकज का मुख्यालय उपमंडल अधिकारी तोशाम कार्यालय निर्धारित किया गया है।

डाकघर में नौकरी के नाम पर 9 लाख ठगने वाला गिरफ्तार

- पुलिस टीम ने आरोपी से एक मोबाइल किया बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पुलिस की जिला अनुसंधान इकाई भिवानी की टीम ने डाकघर में नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मोहित निवासी बवानी खेड़ा ने थाना बवानी खेड़ा में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी जान-पहचान विनोद नामक व्यक्ति से हुई थी। विनोद ने उसे बताया कि उसके पिता के माध्यम से वह उसे डाकघर में नौकरी लगवा सकता है। आरोपियों ने इस बहाने शिकायतकर्ता से अलग-अलग समय पर कुल नौ लाख रुपये ले लिए। बाद में न तो नौकरी दिलवाई और न पैसे वापस किए। शिकायत के आधार पर थाना बवानी खेड़ा में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए जिला अनुसंधान इकाई भिवानी के एएसआई राजीव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तीसरे आरोपी को भिवानी से गिरफ्तार किया।

मंडी में सरसों 28 व गेहूं की खरीद 1 अप्रैल से होगी शुरूः एसडीएम

रतोशाम। एसडीएम प्रदीप अहलावत ने कहा कि स्थानीय अनाज मण्डी में रबी फसलों में सरसों की खरीद 28 मार्च से और गेहूं की 01 अप्रैल से सरकार द्वारा खरीदी जाएगी। एसडीएम ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसानों के साथ किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। किसानों एवं आढ़तियों की समस्याओं से सम्बंधित अधिकारियों को समाधान के सम्बन्ध में निर्देश देते हुए कहा कि मंडी में फसल बिक्री में कोई समस्या आड़े नहीं आनी चाहिए। वहीं मंडी में बिजली और पानी की व्यवस्थाओं के साथ साथ किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

एडीजीपी ने समीक्षा बैठक में कानून व्यवस्था परखी

- क्राइम बैठक आयोजित कर पुलिस अधिकारियों को दिए निर्देश ।
- गांव समसपुर में ट्रैफिक थाना के नवनिर्मित भवन का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

भिवानी। जिला पुलिस अधिकारियों की मीटिंग लेते एडीजीपी।

एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस हरदीप सिंह दून ने बुधवार को दादरी पहुंचे। उन्होंने समसपुर में ट्रैफिक थाना के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया और जिला पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा व जिला पुलिस अधिकारियों के साथ क्राइम मीटिंग आयोजित कर जिले में कानून-व्यवस्था एवं अपराध की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए।

मीटिंग के दौरान एडीजीपी महोदय ने लंबित मामलों के शीघ्र निपटान, अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, तथा अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने पर भी जोर दिया। मीटिंग के बाद उन्होंने गांव समसपुर में नवनिर्मित यातायात थाना भवन का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस भवन के शुरू होने से क्षेत्र में यातायात प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा तथा सड़क सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा। समसपुर में नए यातायात थाना का उद्घाटन करते हुए बताया कि यह थाना विशेष रूप से सड़क सुरक्षा, नियमों की पालना और दुर्घटना रोकथाम पर केंद्रित रहेगा। थाना आधुनिक सुविधाओं और यातायात नियंत्रण के उपकरणों से लैस है, जिससे सड़क परिवहन को सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए नियमित सत्र और अभियान भी चलाए जाने के निर्देश दिए।

मौसम के बदले मिजाज से किसान परेशान

भिवानी। लोहारू में बरसात के चलते हेड लाइट जलाकर गुजरते वाहन।

दोपहर बाद मौसम में बदलाव तेज गर्जना संग बरसे बादल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

मौसम विभाग के पूर्वानुमान अनुसार बुधवार दोपहर बाद मौसम में बदलाव हुआ और आसमान में घने काले बादल छा गए। देखते ही देखते तेज हवाओं के साथ बादल गरजने लगे और इलाके में झमाझम बरसात शुरू हो गई। करीब आधे घंटे तक शहर और आसपास के कई गांवों में झमाझम बरसात हुई। बरसात ने किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। कटाई चल रही सरसों की फसल को बरसात काफी प्रभावित कर सकती है। किसानों के अनुसार मौसम में सुधार नहीं हुआ तो बरसात और तेज हवाएं किसान की रबी सीजन की फसल को नुकसान कर सकती है और किसानों के अरमानों पर पानी फेर सकती है। बता दें कि बुधवार और गुरूवार को मौसम विभाग द्वारा मौसम में बदलाव का अनुमान बताया गया था। बुधवार दोपहर बाद लोहारू शहर और आसपास के फरटिया, आजमपुर, ढाणी रहीमपुर, ढाणी श्यामा, सोहांसरा, ढाणी ढोला और आसपास के गांवों में तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई।

बरसात से किसानों के चेहरों पर दिखी चिंता

डाल दिया है। अनेक किसानों का कहना है कि पछेती फसलों के लिए बरसात उपयोगी हो सकती है लेकिन तेज हवाएं फसलों को काफी नुकसान पहुंचा सकती है। यहीं नही सरसों की फसल की कटाई चल रही है तथा किसानों की फसलें खेतों में ही पड़ी है,ऐसे में बरसात सरसों की फसल के लिए भी नुकसानदायक हो सकती है। करीब आधे घंटे बाद बरसात थमने के बाद किसानों को राहत की सांस मिली।

एसडीएम ने कई परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

- परीक्षा केंद्रों को नकल रहित बनाने के लिए सभी बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने के लिए एसडीएम ने जारी किए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते एसडीएम।

एसडीएम आशीष सांगवान ने जिला में चल रही हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10वीं, 12वीं, हरियाणा ओपन स्कूल परीक्षाओं को नकल विहीन आयोजित करवाने के उद्देश्य से विभिन्न स्कूलों का निरीक्षण किया। उन्होंने काकडोली व बाढड़ा गांव के परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि बोर्ड परीक्षाएं जिले में सफल तरीके से आयोजित हों इसके लिए प्रशासन पूरी तरह से सजग है तथा सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों की सख्ती से अनुपालना की जा रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों को नकल रहित बनाने के लिए सभी बिंदुओं पर विशेष ध्यान दें तथा परीक्षा देने आ रहे परीक्षार्थियों की चेकिंग सुनिश्चित करें। बाहर से नकल के लिए मिलने वाली मदद की सभी संभावनाओं से संबंधित पहलुओं पर भी विशेष ध्यान दें। परीक्षा के दौरान कोई भी बाहरी व्यक्ति परीक्षा केंद्र में प्रवेश न करें। परीक्षा केंद्र में सुरक्षा के सभी इंतजाम पूरे होने के साथ निगरानी कर रहे अध्यापक नकल विहीन परीक्षा आयोजित करवाने के लिए पूरी तरह से सजग रहें।

कल होगा अनुसूचित जाति के किसानों के ट्रैक्टरों का भौतिक सत्यापन

चरखी दादरी। कृषि तथा किसान कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 के तहत अनुसूचित जाति के किसानों को ट्रैक्टर पर अनुदान प्रदान करने के उद्देश्य से एसबी-89 योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। जिला के 298 अनुसूचित जाति किसानों ने ट्रैक्टर के लिए आवेदन किया हुआ था जिन में से 20 किसानों का ऑनलाइन ड्रा द्वारा चयन किया गया। चयनित किसानों को 17 मार्च 2026 तक ट्रैक्टर खरीद कर पोर्टल पर अपने बिल तथा अन्य कागजात अपलोड किए जाने थे। एसबी-89 स्कीम के तहत चयनित अनुसूचित जाति के किसानों द्वारा खरीदे गए ट्रैक्टरों का भौतिक सत्यापन दिनांक 20-03-2026 को नई अनाज मंडी चरखी दादरी मे प्रातः 10:00 बजे जिला कार्यकारी समिति द्वारा गठित कमेटी द्वारा किया जाएगा। सहायक कृषि अभियंता मनीष कुमार ने बताया कि सभी चयनित किसान अपने खरीदे गए ट्रैक्टर को लेकर चरखी दादरी में तय तिथि और स्थान पर भौतिक सत्यापन के लिए स्वयं आएं। इसके बाद किसी तरह का कोई भौतिक सत्यापन नहीं किया जाएगा।

यात्रा के बदले नियम रद्द करने की मांग

भिवानी। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक चिड़ियाघर रोड स्थित जिला यूनियन कार्यालय में जिला प्रधान चांदीराम कादियान की अध्यक्षता में हुई। प्रांतीय उप महासचिव दलबीर श्योराण ने कहा कि सरकार द्वारा एलटीसी वर्ष-2028 यात्रा करने पर बदले गये नियमों की घोर निंदा करते हैं। सरकार को ये नियम पूर्व की तरह लागू रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की एचआरएमएस पर सभी पोस्टों को अपग्रेड करके वरिष्ठता के अनुसार जल्द से जल्द पदोन्नति की जाए, तीनों विभागों के वर्ष 2020-23 एलटीसी से वंचित कर्मचारियों की तुरन्त प्रभाव से जारी की जाए।

जिप की खाली जमीन पर बने सीनियर सेकेंडरी स्कूल

विधायक ने सीवरेज व्यवस्था का मांगा मास्टर प्लान

विधानसभा में भिवानी के लिए विधायक सर्राफ ने रखीं कई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| विानी

भिवानी। विधानसभा में भिवानी की मांग रखते विधायक घनश्याम सर्राफ।

विधानसभा सत्र खतम होने के एक दिन पहले विधायक घनश्याम सर्राफ ने भिवानी शहर की सीवरेज व्यवस्था का मास्टर प्लान तैयार करके लागू करने की मांग की। उनका तर्क था कि शहर की आबादी बढ़ी, लेकिन पुरानी सीवरेज व्यवस्था से ही काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि सीवरेज व्यवस्था का मास्टर प्लान तैयार करवाकर लागू करवाया जाए। ताकि शहर के लोगों को पानी व सीवरेज की बेहतरीन सुविधाएं मिल सके। इसके अलावा विधायक सर्राफ ने अन्य मांग भी रखी। उन्होंने विधानसभा में बताया कि ग्वार फैक्ट्री के पीछे सेवा नगर कॉलोनी में जिला परिषद की खाली भूमि पड़ी है। उस भूमि पर कन्याओं के लिए सीनियर सेकेंडरी स्कूल का निर्माण करवाया जाए। ताकि इन इलाकों में रहने वाली बेटियों को पढ़ने के लिए रेलवे लाइन पार करके न जाना पड़े। इस जगह पर स्कूल बनने से क्षेत्र के हजारों लोगों को फायदा पहुंचेगा। उन्होंने बुस्टिंग स्टेशन बनाने की मांग रखी। विधायक सर्राफ ने विधानसभा में शहर में वाहनों की बढ़ती भीड़ पर काबू पाने के लिए बाल भवन के पास एक गाड़ियों की पार्किंग बनाने की मांग रखने के साथ ही नगरपरिषद का दायरा बढाने,गांव कितलाना व प्रेमनगर के खेतों की चकबंदी करवाने, डाबर कॉलोनी में बाबा मेहूनाथ जोहड़ का सौंदर्यकरण करवाने, एचएसवीपी के जिम खाना क्लब व एचएसवीपी आफिस एवं नए बस स्टैंड के आगे आरसीसी का बनाने की भी मांग रखी।

डॉ. मंगलसेन के नाम पर बने सभागार

विधायक श्री सर्राफ ने बताया कि रेस्ट हाऊस के साथ लगती टूरिज्म विभाग की जमीन खाली पड़ी है। उस जमीन पर डॉ. मंगलसेन के नाम से एक सभागार बनाया जाए। जिसमें सरकारी व गैर सरकारी कार्यक्रमों का आयोजन हो सके और शहर के लोगों को इस सभागार का फायदा भी मिल सके। उन्होंने बताया कि विगत में सीएम ने भीम स्टेडियम के साथ लगती 18 एकड़ जमीन को स्टेडियम में शामिल करके सिंथेटिक ट्रैक बनाए जाने की घोषणा की थी। जिस पर अभी तक कोई अमल नहीं हो पाया है। अगर इस घोषणा पर कार्रवाई हो जाती है तो अनेक खिलाड़ियों का बहुत फायदा होगा।

विक्रम संवत 2083 प्रारंभ : जानें क्या है खास गुरु-मंगल की जोड़ी किसका करेगी बेड़ा पार

गुरुवार से 2026 से हिंदू नववर्ष यानी विक्रम संवत 2083 का शुभारंभ होने जा रहा है। यह पावन दिन हर वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से शुरू होता है और इसी के साथ भारतीय नवसंवत्सर की शुरुआत मानी जाती है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस वर्ष के राजा देवगुरु बृहस्पति और मंत्री मंगल होंगे, जबकि इस संवत का नाम 'रौद्र संवत्सर' रखा गया है। हिंदू नववर्ष सनातन परंपरा का बेहद महत्वपूर्ण पर्व है। मान्यता है कि इसी दिन सृष्टि की रचना का आरंभ हुआ था, इसलिए यह दिन नए कार्यों, संकल्पों और शुभ शुरुआत के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है। इसी दिन से विक्रम संवत की शुरुआत होती है, जिसे सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित किया गया था और यह ग्रेगोरियन कैलेंडर से लगभग 57 वर्ष आगे चलता है।

आज शुरू होगा हिंदू नववर्ष

देश में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, दक्षिण भारत में उगादी और उत्तर भारत में नवसंवत्सर।

यह रहेगा प्रभाव

ज्योतिष के अनुसार जब बृहस्पति राजा होते हैं तो धर्म, शिक्षा और ज्ञान में वृद्धि होती है, वहीं मंगल मंत्री होने से साहस, ऊर्जा और प्रशासनिक निर्णयों में तेजी आती है। इस साल एक खास संयोग भी बन रहा है। मीन राशि में सूर्य, चंद्रमा, शुक्र और शनि का चतुर्ग्रही योग, जो इसे और प्रभावशाली बना रहा है।

सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

सनातन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र माना गया है। मान्यता है कि इसी तिथि से सृष्टि की रचना का आरंभ हुआ था, इसलिए इसे नए कार्यों, संकल्पों और शुभ शुरुआत के लिए श्रेष्ठ समय माना जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग नामों से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, दक्षिण भारत में उगादी, जबकि उत्तर भारत में इसे नवसंवत्सर के रूप में मनाया जाता है। इस दिन लोग घरों की साफ-सफाई, पूजा-पाठ और नए कार्यों की शुरुआत करते हैं।

-पंडित कृष्ण दत्त गौड़, ज्योतिषाचार्य

मेष

इस राशि के जातकों का सकारात्मक सिद्ध हो सकता है। करियर में उन्नति के अवसर मिल सकते हैं और लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां या पदोन्नति मिल सकती हैं। व्यापारियों को भी नए प्रोजेक्ट या साझेदारी से लाभ मिलने की संभावना है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से बचना ही बेहतर रहेगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह नववर्ष परिवार और संपत्ति से जुड़े मामलों में शुभ संकेत दे सकता है। जमीन या वाहन खरीदने के योग बन सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ सकता है। हालांकि भावनात्मक फैसलों से बचना और धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। हालांकि जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से बचना ही बेहतर रहेगा।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए साझेदारी और व्यापार के मामलों में यह वर्ष अनुकूल रह सकता है। व्यापार विस्तार के अवसर मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ सकती है। नौकरी में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिससे भविष्य में लाभ होगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत होगी।

मकर

मकर राशि वालों के लिए यह वर्ष घर-परिवार और संपत्ति से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण हो सकता है। परिवार में शुभ कार्य होने के योग बन सकते हैं। करियर में स्थिरता आएगी और मेहनत का अच्छा फल मिल सकता है। हालांकि काम का दबाव भी बढ़ सकता है। इससे शुरूआत में कुछ परेशानी हो सकती है।

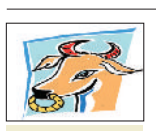

वृषभ

वृषभ राशि के लोगों के लिए यह नववर्ष आर्थिक दृष्टि से अनुकूल सिद्ध हो सकता है। आय के नए स्रोत बनने की संभावना है और निवेश से लाभ मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रह सकती है। हालांकि खर्चों में भी वृद्धि हो सकती है, इसलिए बजट का संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा।

सिंह

इस राशि के लोगों के लिए भाग्य का साथ मिल सकता है। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही परेशानियों में कमी आ सकती है। व्यापारियों को भी लाभ मिलने के योग बन सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा और मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए कार्यक्षेत्र में बदलाव के योग बन सकते हैं। नई नौकरी या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। मेहनत और लगन से किए गए कार्यों में सफलता मिलने की संभावना है। हालांकि विरोधियों से थोड़ा सावधान रहने की जरूरत होगी।

कुंभ

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह वर्ष करियर और कारोबार के लिहाज से शुभ सिद्ध हो सकता है। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में फायदेमंद साबित हो सकती है। नौकरी और व्यापार दोनों में प्रगति के योग बन सकते हैं। हालांकि सावधानी से कदम बढ़ाने होंगे।

मिथुन

मिथुन राशि वालों के लिए यह वर्ष करियर और शिक्षा के लिहाज से अच्छा साबित होगा। नौकरी में नई उपलब्धियां मिल सकती हैं। उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं। विदेश से जुड़े कार्यों में भी सफलता मिलने के संकेत हैं।

कन्या

कन्या राशि वालों के लिए यह वर्ष मिश्रित परिणाम देने वाला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा करनी पड़ सकती है, लेकिन उसका फल भी मिलेगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत होगी। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेना बेहतर रहेगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह वर्ष शिक्षा, ज्ञान और करियर के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम दे सकता है। विद्यार्थियों के लिए यह समय अच्छा रह सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है। आर्थिक स्थिति भी धीरे-धीरे मजबूत हो सकती है।

मीन

मीन राशि के लोगों के लिए यह वर्ष आर्थिक रूप से मजबूत साबित हो सकता है। आय में वृद्धि के संकेत मिल सकते हैं। करियर में नई जिम्मेदारियां और अवसर मिल सकते हैं। नौकरी उन्नति के योग हैं। परिवार में सुखद वातावरण बना रह सकता है।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब सिर के एक साइड हो बहुत तेज दर्द

मेरी उम्र 62 वर्ष है। पिछले दो-तीन हफ्तों से मेरे सिर में दाहिनी तरफ हल्का-हल्का दर्द बना रहता है। कभी-कभी यह दर्द बहुत तेज हो जाता है। कृपया बताएं कि ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-कुलभूषण, धमतरी

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको माइग्रेन हो रहा है। आपको इस बात पर गौर करना चाहिए कि सिर दर्द किन वजहों से होता है? कई लोगों को धूप में आने से तो कुछ लोगों को भूख लगने से तो कुछ को तनाव की वजह से सिर दर्द होता है। समस्या की पहचान कर उससे बचने का प्रयास करना चाहिए। अगर अधिक दिक्कत होती है तो जरूर डॉक्टर से संपर्क कर माइग्रेन दर्द की दवा लिखवा लेनी चाहिए। लेकिन दर्द की दवा का इस्तेमाल ज्यादा ना करें।

मेरी उम्र 19 वर्ष है। मुझे दिन भर कुछ-न-कुछ खाने की इच्छा होती रहती है। मेरा वजन भी बढ़ रहा है। कृपया बताएं कि मैं अपनी भूख पर कैसे कंट्रोल करूं?

-राजवीर, इमेल से

हालांकि भूख ज्यादा लगने के कारण कभी-कभी शुगर का लेवल बढ़ने लगता है, लेकिन जैसा आप बता रहे हैं कि आपका वजन भी बढ़ रहा है तो थायराइड संबंधी समस्या भी इसकी वजह हो सकती है। बेहतर होगा कि एक बार आप जनरल फिजिशियन से संपर्क कर लें। वे आपके ब्लड की कुछ जांच कराएंगे, जिससे आपकी समस्या की वजह पता चलेगी और ट्रीटमेंट किया जा सकेगा। फिलहाल आप बाहर का खाना और अधिक तेल-मसाले वाला खाना बिल्कुल बंद कर दें।

मेरी उम्र 54 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरी बाईं आंख के नीचे गुठली-सी निकल आई है। छूने पर यह हार्ड लगता है और दर्द भी करता है। कृपया बताएं कि यह क्या है और कैसे ठीक होगा?

-योगेंद्र, बिलासपुर

यह गांठ किस तरह की है, यह बिना जांच किए कहना मुश्किल है। इसलिए आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें। वे इसकी प्रॉपर जांच करेंगे और अगर ऑपरेट करने की जरूरत होगी तो उसे ऑपरेट कर देंगे। लेकिन बगैर जांच कराए आप अपने मन से इस रोग का ट्रीटमेंट ना करें। यह हार्मफुल हो सकता है।

मेरी उम्र 48 वर्ष है। पिछले कुछ महीनों से मेरे दोनों पैर दिन में कभी भी अचानक कुछ मिनटों के लिए सुन्न हो जाते हैं। इसमें कोई सेंसेशन नहीं होता। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है?

-संदीप, भोपाल

इस तरह की समस्या कई बार नर्वस सिस्टम से जुड़ी होती है तो कई बार मस्तिष्क से संबंधित होती है। यह समस्या आपको कब से शुरू हुई है, यह आपने नहीं बताया। क्या आपको हाल-फिलहाल में सिर पर चोट तो नहीं लगी है? अगर ऐसा है तो आपको एक बार मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वे जांच कर इसका ट्रीटमेंट करेंगे।

मेरी उम्र 40 वर्ष है। मेरे ब्लड टेस्ट में विटामिन बी12 की कमी आई है। क्या मैं मल्टीविटामिन सप्लीमेंट ले सकता हूं? कितने दिनों तक इसे लेना सही रहेगा?

-जतिन, दुर्ग

विटामिन बी12 की कमी आपको जांच करने के बाद पता चली है क्या? अगर ऐसा है तो इसकी दवा ली जा सकती है, लेकिन पहले आपको किसी डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। वही इसकी दवा लिखेंगे। वही दवा आप शुरू करें। यह इस बात पर डिपेंड करेगा कि आपका विटामिन बी12 का लेवल कितना कम है, उसके अनुसार इसकी डोज तय की जाएगी। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. एस.पी. राय

सीनियर एल्मोनोलॉजिस्ट, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

संभव है टीबी से बचाव-उपचार

एक खतरनाक बैक्टीरिया के संक्रमण से टीबी रोग किसी को भी हो सकता है। हालांकि इससे बचाव और उपचार की कारगर दवाएं मौजूद हैं, लेकिन आज भी दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोग टीबी से ग्रस्त होकर अपनी जान गंवाते हैं। **वर्ल्ड टीबी डे (24 मार्च)** के अवसर पर आपको डिटेल में बता रहे हैं, इसके होने के कारण, प्रमुख लक्षण, जांच, बचाव और उपचार के तरीकों के बारे में।

हजारों साल से चली आ रही बीमारी है ट्यूबरकुलोसिस (टीबी), जिसे राजयक्ष्मा, क्षय रोग या तपेदिक भी कहा जाता है। टीबी आज भी दुनिया के कई देशों के लिए स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया से वर्ष 2030 तक इस बीमारी को समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके प्रति अवेयरनेस बढ़ाने के लिए ही वर्ल्ड टीबी डे मनाते हैं। इस साल वर्ल्ड टीबी डे की थीम है- 'यस! वी कैन एंड टीबीः लेड बाय कंट्रीज, पॉवर्ड बाय पीपुल।' इसका आशय है-जी हां! हम टीबी को खत्म कर सकते हैं। इस कार्य में विभिन्न देशों के राजनीतिक नेतृत्व और जनता को अपनी-अपनी तरफ से भागीदारी निभानी होगी।

इस जीवाणु से होता है टीबीः 24 मार्च 1882 में जर्मनी के डॉ. रॉबर्ट कॉच ने टीबी के जीवाणु-माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस का पता लगाया था। इस जीवाणु के नाम पर ही इस बीमारी का नाम ट्यूबरकुलोसिस संक्षेप में टीबी पड़ा। आमतौर पर लोगों को फेफड़े की टीबी की समस्या ज्यादा होती है। टीबी से ग्रस्त किसी व्यक्ति के खांसने या छींकने या फिर बात करने के दौरान जब उस शख्स के मुंह से ड्रॉपलेट्स निकलते हैं, वे हवा के माध्यम से किसी दूसरे व्यक्ति को टीबी से संक्रमित कर सकते हैं। फेफड़ों की टीबी का प्रमुख कारण यही है। लगभग 80 से 85% लोग फेफड़ों की टीबी से ग्रस्त होते हैं। इस टीबी के बैक्टीरिया, फेफड़ों को प्रभावित करते हैं। अगर समय रहते फेफड़ों की टीबी का समुचित उपचार कर लिया जाए तो फिर कालांतर में इस बीमारी की जटिलताओं और गंभीर परिणामों से बचा जा सकता है।

क्या है एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबीः जब टीबी के जीवाणु फेफड़ों के जरिए रक्त प्रवाह के साथ शरीर के दूसरे अंगों में पहुंच जाते हैं और फिर इन अंगों को क्षीण करने लगते हैं, तो उसे एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी कहा जाता है। जैसे हड्डियों, आंतों, रीढ़ की हड्डी, लिंफ नोड्स, गला, लिवर और शरीर के महत्वपूर्ण अंग एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी से प्रभावित हो सकते हैं। कुछ लोग मस्तिष्क की टीबी और महिलाएं गर्भाशय की टीबी से भी ग्रस्त हो सकती हैं। लगभग 15 प्रतिशत व्यक्ति एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी से ग्रस्त हो सकते हैं।

टीबी के प्रकारः जीवाणु की सक्रियता के आधार पर दो प्रकार के टीबी हो सकते हैं। एक, सक्रिय यानी एक्टिव टीबी और दूसरा, असक्रिय या लेटेंट टीबी।

एक्टिव टीबीः जिन लोगों के शरीर में टीबी के जीवाणु सक्रिय हो जाते हैं तो इस स्थिति में उनमें टीबी के लक्षण प्रकट होने लगते हैं। ऐसे लोग अपनी लापरवाही से दूसरे लोगों को भी टीबी से ग्रस्त कर सकते हैं।

लेटेंट टीबीः टीबी के इस प्रकार में लोगों के शरीर में इस बीमारी के जीवाणु तो होते हैं, लेकिन वे सक्रिय नहीं होते। इस कारण ऐसे लोगों में टीबी के लक्षण प्रकट नहीं होते और और न ही ऐसे व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को संक्रमित करने में सक्षम होते हैं।

टीबी संक्रमण के लक्षणः तीन हफ्तों से अधिक समय से आने वाली खांसी। खांसते समय खून का निकलना। अचानक व्यक्ति का वजन कम होने लगना। लंबे समय तक बुखार बने रहना। भूख का कम होते जाना। थोड़ा सा भी शारीरिक परिश्रम करने पर थकावट या कमजोरी महसूस होना। सांस लेते समय सीने में दर्द महसूस होना। बेवजह पसीना बहुत आना। फेफड़ों के अलावा अन्य अंगों में जो टीबी होती है, उनके लक्षण उन्हीं अंगों के अनुरूप होते हैं। जैसे रीढ़ की हड्डी के टीबी से ग्रस्त होने के कारण कमर में दर्द का लगातार बने रहना आदि लक्षण दिख सकते हैं।

डायग्नोसिस का तरीकाः फेफड़ों की टीबी का पता करने के लिए व्यक्ति के बलगम की जांच की जाती है। अगर बलगम की जांच से टीबी का पता नहीं चलता, तब स्प्यूटम कल्चर टेस्ट या एएफबी कल्चर नामक टेस्ट कराने का परामर्श दिया जाता है। अनेक मामलों में छाती के एक्स-रे से भी टीबी का पता करने में मदद मिलती है। फेफड़ों के अलावा एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी के मामलों जैसे गुर्दों की टीबी के लिए यूरीन कल्चर टेस्ट कराया जाता है। यदि शरीर में गांठ आदि है, तो वहां से फ्लूइड लेकर परीक्षण कराया जाता है। कुछ जटिल मामलों में सीटी स्कैन का परामर्श दिया जाता है। इसी तरह रीढ़ की हड्डी में दर्द की स्थिति में एक्सरे के अलावा एमआरआई जांच भी कराई जाती है आदि।

ट्रीटमेंट के प्रकारः आमतौर पर टीबी की मुख्य प्रारंभिक दवाएं-रिफैंपिसिन और आइसोनेक्स हैं, जिनका डॉक्टर की सलाह से नियमित सेवन करने से 6 महीने के अंदर टीबी का मर्ज खत्म हो जाता है। गौरतलब है कि मल्टीड्रग रेजिस्टेंट टीबी और एक्सटेंसिव ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के इलाज में ये दोनों ही दवाएं अपना असर दिखाना बंद कर देती हैं। ऐसी स्थिति में मरीजों को सेकेंड लाइन ड्रग्स देने की जरूरत पड़ती है। आमतौर पर ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के इलाज में मरीज को दवाएं लगभग साल-डेढ़ साल तक दी जाती हैं। लेकिन आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में हुई प्रगति के कारण अब ड्रग रेजिस्टेंट टीबी का इलाज अतीत की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी और कारगर हो गया है। भारत सरकार ने एमडीआर टीबी के इलाज के लिए एक नई और प्रभावी 6 महीने की कम अवधि वाली उपचार पद्धति को मंजूरी दी है, जिसे 'बीपाल्म रेजिमेन' कहा जाता है। 'बीपाल्म रेजिमेन' चार दवाओं का एक संयोजन है, जो पूरी तरह से ओरल रूप में दी जाती है। इसमें बेडाक्विलिन, प्रीटोमैनिड, लाइनजोलिड, मॉक्सीफ्लोक्सासिन शामिल हैं।

इन्हें है ज्यादा रिस्कः एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी होने का रिस्क उन्हें ज्यादा होता है, जो एचआईवी से ग्रस्त हैं, जो लोग डायबिटीज टाइप 2 से ग्रस्त हैं, ऐसे लोग जिनका रोग प्रतिरोधक तंत्र या इम्यून सिस्टम कमजोर हो गया है।

इन बातों पर दें ध्यानः जिन लोगों के टीबी के इलाज की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जो लोग टीबी से ठीक हो चुके हैं, उनमें से लगभग 2 से 3% ऐसे लोग हो सकते हैं, जिनमें टीबी के लक्षण दोबारा प्रकट हो सकते हैं। इसे सहज मेडिकल भाषा में टीबी का रिलेप्स होना कहते हैं। अगर किसी व्यक्ति में दोबारा टीबी के लक्षण प्रकट हों, तो उसे अति शीघ्र अपने डॉक्टर से चेकअप कराना चाहिए और उनके बताए परामर्श पर अमल करना चाहिए। दरअसल, जो पेशेंट टीबी की इलाज प्रक्रिया के दौरान नियमित रूप से दवा नहीं लेते या फिर ऐसे व्यक्ति, जो इलाज की प्रक्रिया को पूरा नहीं करते यानी समय से पहले ही दवाएं बंद कर देते हैं, उनमें टीवी के दोबारा (रिलेप्स) होने की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए जरूरी है कि आप नियमित रूप से दवाएं लें और इलाज की प्रक्रिया को पूरा करें।

बढ़ाएं इम्यूनिटीः जो लोग हेल्दी डाइट नहीं लेते, उनके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। वास्तव में बड़ी संख्या में लोगों के शरीर में टीबी के जीवाणु होते हैं, लेकिन ये सक्रिय नहीं होते। जब हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल नहीं अपनाते तो व्यक्ति की इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है। ऐसे में टीबी के जीवाणु शरीर में सक्रिय हो जाते हैं, जो टीबी रोग का कारण बन सकते हैं। इसलिए टीबी से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपनी डाइट में फलों, सब्जियों, अंकुरित अनाजों और ड्राय फ्रूट्स को वरीयता दें। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

टीबी पेशेंट्स की डाइट

टीबी के मरीजों को उच्च प्रोटीन युक्त आहार और फलों का सेवन करना चाहिए। जैसे-दूध और दूध से निर्मित उत्पाद-दही, मट्ठा, सोयाबीन, दालें, अंडा, फिश और मीट। फल खासकर विटामिन सी युक्त फल जैसे संतरा, मौसंबी, नींबू और आंवला आदि। इनके अलावा टीबी के मरीजों के लिए विटामिन डी का विशेष महत्व है। विटामिन डी का कुदरती स्रोत सूर्य की किरणें हैं। इसलिए टीबी के मरीजों को सुबह के वक्त लगभग एक घंटे धूप लेनी चाहिए। धूप लेने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और मरीज की रिकवरी जल्दी होती है।

क्या आप भी करते हैं अकसर लॉन्ग सिटिंग

प्रिकॉशन

डॉ. माजिद अलीम

वजह चाहे आपकी जॉब हो या इनएक्टिव रहने की हैबिट, अगर आप अकसर घंटों बैठे रहते हैं तो इसका आपकी हेल्थ पर बुरा असर पड़ सकता है। लॉन्ग सिटिंग से किस तरह के नुकसान हो सकते हैं और इससे बचने के लिए क्या सावधानियां बरत सकते हैं, जानिए।

हम सभी धूम्रपान को स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा मानते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि लगातार कुर्सी पर बैठे रहना भी लगभग उतना ही हानिकारक होता है? हालांकि ऐसा नहीं है कि लगातार बैठे रहने को लेकर यह कोई नया खुलासा हुआ है। हम इस तथ्य को पहले से जानते हैं, हम सब इसके बुरे प्रभावों को जानने के बावजूद हर दिन बिना सोचे समझे यह करते हैं यानी घंटों लगातार बैठे रहते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा लगातार बैठने को धूम्रपान के समान ही हानिकारक घोषित किया है।

हृदय रोग की बढ़ती है आशंकाः पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष लगातार बैठने से हर साल लगभग 32 लाख लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। यह संख्या धूम्रपान से होने वाली मौतों से भी ज्यादा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल पूरी दुनिया में 17.9 मिलियन लोग हृदय रोग के कारण अपनी जान गंवा बैठते हैं। लगातार बैठना यानी निष्क्रियता की वजह से ही हृदय रोगों को अपने पैर पसारने में आसानी होती है। जागरूक रहकर हम सक्रिय जीवनशैली के द्वारा 80 प्रतिशत तक के हृदय रोगों को रोक सकते हैं।

बढ़ रही निष्क्रिय जीवनशैलीः क्या आपको पता है कि भारत में 25 प्रतिशत वयस्क प्रतिदिन 8 घंटे से भी ज्यादा लगातार बैठकर काम करते हैं और इस दौरान वो 20 मिनट से भी कम का ब्रेक लेते हैं। कमोवेश कॉरपोरेट जगत में ही नहीं बल्कि सेलिब्रिटीज और सामान्य लोगों का लाइफस्टाइल भी इस तरह का ही होता जा रहा है।

खबर संक्षेप

मंदिर में घंटियों की गूंज के साथ बदलेगी सोच

भिवानी। इस बार कोंट रोड मिनी बायपास स्थित काली माता मंदिर रोड पर बना दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर केवल भक्ति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि समाज को नई दिशा देने का माध्यम भी बनेगा। नवरात्रि के पावन अवसर पर यहां पूजा-अर्चना के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति का संदेश एक साथ गूंजेगा। मंदिर की प्रबंधक उर्मिला सैनी व पुजारी शुभम ने बताया कि नवरात्रों के दौरान प्रतिदिन मां दुर्गा की विशेष पूजा, आरती और हवन यज्ञ किया जाएगा।

जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक 19 को

भिवानी। पंचायत भवन में वीरवार को दोपहर 12 बजे जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता डीसी साहिल गुप्ता करेंगे और परिवादों की सुनवाई करेंगे। बैठक में कुल 14 परिवाद रखे जाएंगे, इनमें आठ परिवाद नए और छह परिवाद पुराने हैं। ये जानकारी देते हुए नगराधीश अनिल कुमार ने बताया कि बैठक के दौरान सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे। बैठक में रखे जाने वाले परिवादों के समाधान के लिए डीसी गुप्ता द्वारा अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए जाएंगे।

जांगिड़ सभा की बैठक कल, होगी चर्चा

बाढ़ड़ा। जांगिड़ सभा की महत्वपूर्ण बैठक 20 मार्च को कस्बे के लोहारु रोड़ स्थित जांगड़ा धर्मशाला में आयोजित की जाएगी। जांगिड़ सभा अध्यक्ष मनोज डुडीवाला ने बताया कि बैठक में धर्मशाला के निर्माण सहित अन्य मामलों को लेकर विचार विमर्श किया जाएगा तथा आगामी रुपरेखा तैयार की जाएगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से 20 मार्च को कस्बे के लोहारु रोड़ स्थित जांगड़ा धर्मशाला में पहुंचकर बैठक में भागीदारी की अपील की।

एड्स के बारे मे दी जानकारी

बहल। राजकीय महिला महाविद्यालय बहल में छात्राओं को एचआईवी एड्स के बारे में जागरूक करने के लिए रेड रिबन क्लब द्वारा एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को एचआईवी एड्स, नशे से बचाव पर व्याख्यान दिया गया। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में डॉ. सुरेन्द्र चंद्र धायल ने छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने छात्राओं को एचआईवी के कारण, लक्षण और बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी।

कर्मबीर बौद्ध के राज्यसभा सांसद बनने पर खुशी

भिवानी। कर्मबीर बौद्ध के राज्यसभा सांसद चुने जाने पर गुरु रविदास जनकल्याण समिति ने राजीव कालोनी में समिति संरक्षक कैप्टन टेकचंद, समिति प्रधान रविन्द्र ठेकेदार, सेवानिवृत डीएसपी नारायणचंद, सेवानिवृत डीएसपी दाताराम, मदनपाल अहलावत, सेवानिवृत इंस्पेक्टर बलबीर सिंह, सेवानिवृत प्राचार्य रमेशमुवाल, कानूनी सलाहकार एडवोकेट नरेन्द्र कांटीवाल सहित अनेक पदाधिकारियों ने खुशी जताई। ज्ञानसिंह व सुखबीर सिंह आलड़ियां ने इस दौरान उपस्थित जनों ने कर्मबीर बौद्ध को राज्यसभा में भेजने पर आभार जताया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने समीक्षा बैठक परखी कानून व्यवस्था

अपराधिक गतिविधियों पर तुरंत रोक लगाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। अधिकारियों को दिशा निर्देश देते अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हरदीप सिंह दून।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हरदीप सिंह दून ने आज जिला भिवानी का दौरा किया। इस दौरान लघु सचिवालय स्थित सभागार में भिवानी पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक भिवानी सुमित कुमार ,उप-पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, उप-पुलिस अधीक्षक लोहारू, उप-पुलिस अधीक्षक सिवानी, उप-पुलिस अधीक्षक भिवानी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोष्ठी के दौरान अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हरियाणा ने जिला भिवानी की कानून एवं व्यवस्था की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की तथा अपराध डायरी का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जिले में चोरी, लूट व साइबर अपराध के मामलों में कमी लाने के लिए भिवानी पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। साथ ही नशा तस्करी, उद्घोषित अपराधियों व जमानत पर चल रहे अपराधियों सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए सभी थाना एवं चौकी क्षेत्र में नियमित रूप से पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए तथा सीलिंग प्लान के तहत नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की जाए। महिला एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और पीड़ितों को संवेदनशीलता के साथ सहायता प्रदान की जाए।

सीसीटीवी लगाने के निर्देश

बैठक के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि पेट्रोल पंप, बैंक, ज्वैलरी की दुकानें, होटल, ढाबे, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, मार्केट व कोचिंग संस्थानों सहित भीड़भाड़ वाले स्थानों पर उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। प्रवेश व निकासी द्वारों पर कैमरे अवश्य लगाए जाएं तथा कम से कम 30 दिनों का बैकअप सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे अपराध की रोकथाम तथा अपराधियों की पहचान करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए नियमित रूप से पुलिस पेट्रोलिंग करने की बात कही।

आढ़ती एसोसिएशन व किसान संगठनों ने एसडीएम को सौंपा मांगों का ज्ञापन

- फसल खरीद के बायोमैट्रिक सहित अन्य शर्तो पर भड़के आढ़ती व किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा। एसडीएम को ज्ञापन सौंपते आढ़ती एसोसिएशन व किसान संगठन।

प्रदेश सरकार द्वारा रबी सीजन की फसलों की खरीद में बायोमेट्रिक सहित अन्य नई शर्तों को लागू करने की अनाज मंडी आढती एसोसिएशन ने कड़ा रोष प्रकट करते हुए तत्काल प्रभाव से इनको वापस लेने की मांग की है। कस्बे के जुई रोड़ स्थित उपमंडल कार्यालय पहुंच कर एसडीएम आशीष सांगवान से मुलाकात कर आढ़ती एसोसिएशन अध्यक्ष हनुमान शर्मा, मंजीत नांधा, अनिल, योगेश कुमार, सुभाष, नवीन, आनंद, पूर्व सरपंच गिरधारी मोद, सतबीर हंसावास, राम अवतार लाड, कर्णसिंह, प्रताप हंसावास, कमलसिंह हड़ौदी आदि ने खरीद कार्य में आने वाली समस्याओं से अवगत करवाया।

आढ़ती एसोसिएशन अध्यक्ष हनुमान शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने फसल बेचने के लिए प्रत्येक किसान द्वारा मुख्य द्वार से लेकर खरीद के दौरान बायोमेट्रिक सिस्टम से अंगुठा लगाने की अनिवार्यता करने की कड़े शब्दों में निंदा की। कहा कि किसानों को एक ट्राली बेचने के लिए दो से तीन दिन तक मंडी परिसर में चक्कर लगाना पड़ेगा।

विकास मंच ने लिखी मुख्यमंत्री को चिट्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

डॉ. वीएम बैचेन।

हरियाणवी को भी केंद्रीय साहित्य अकादमी की पुरस्कार सूची में शामिल किया जाए और हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की ठप पड़ी साहित्यिक गतिविधियों को पुनः आरम्भ किया जाये, ये मांग हरियाणवी भाषा विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पंडित लख्मीचंद सम्मान से विभूषित हरियाणवी कवि और चिंतक डॉ. वीएम बेचैन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री को ईमेल, सोशल मीडिया पर टैग और चिट्ठी भी लिखी है।

उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि पिछले चार वर्षो से न हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी द्वारा कोई पुरस्कार या सम्मानों के लिए आवेदन मांगे है और न पिछले पांच वर्षों से कोई सम्मान समारोह हुआ है। प्रदेश के साहित्यकारों की भावना का ख्याल रखते हुए हरियाणवी भाषा विकास मंच ने मंगलवार को ईमेल, सोशल मीडिया और रेजिस्टर्ड डाक के माध्यम से मुख्यमंत्री से निवेदन किया है। डॉ. बैचैन ने पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री को बताया कि केंद्रीय साहित्य अकादमी दिल्ली सविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी बाइस भाषाओ के साहित्यकारों को प्रति वर्ष पुरस्कार देती है, वर्ष 2025 की सूची में केंद्रीय साहित्य अकादमी ने अंग्रेजी और राजस्थानी भाषा को अतिरिक्त शामिल करते हुए उन्हें भी पुरस्कारों की श्रेणी में रखा है, इसलिए हरियाणवी साहित्य पर भी केंद्रीय अकादमी द्वारा प्रति वर्ष पुरस्कार दिया जाना चाहिए।

सड़क के बीचो-बीच टूटे सीवरेज मैनहॉल के ढक्कन हादसों को दे रहे बढ़ावा, परेशानी

- ग्रामीणों के बार-बार शिकायत करने के बावजूद भी संबंधित अधिकारी मौन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

तोशाम। सड़क के बीच में मेनहोल के टूटे ढक्कन का विरोध जताते हुए।

तोशाम में जाट धर्मशाला के सामने पिछले काफी समय से सड़क के बीचो-बीच टूटे पड़े सीवरेज के मैनहॉल के ढक्कन हादसों को निमंत्रण दे रहे हैं। लेकिन संबंधित विभाग तथा अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं और स्थानीय निवासियों द्वारा बार-बार शिकायत करने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। तोशाम निवासी जाट धर्मशाला के प्रधान ओमप्रकाश पंघाल उर्फ बादल, जोगिंदर पंघाल, कृष्ण पंघाल, संदीप पंघाल, अशोक, पंच जंगवीर चहल, एडवोकेट जितेंद्र चहल, ज्ञानी राम, ढिल्लू आदि ने बताया कि पिछले करीबन 2 महीने से जाट धर्मशाला के सामने चौराहे के बीचो-बीच सीवरेज के दो मैनहॉल के ढक्कन टूटे हुए हैं। जिसमें से एक मैनहाल से तो सीवरेज का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर निकलता रहता है। वहीं मैनहोल के ढक्कन टूटने की वजह से गड्ढा बना हुआ है कभी भी कोई राहगीर या दोपहिया वाहन चालक इसमें गिरकर इसका शिकार हो सकता है जोकि एक बड़े हादसे में तब्दील हो सकता है।

ग्रामीणों ने जल्द से जल्द समस्या के समाधान की मांग

ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान किया जाए जिससे उन्हें कुछ राहत मिल सके अन्यथा कोई बड़ा हादसा घटित होने पर उसके लिए संबंधित विभाग तथा अधिकारी जिम्मेदार होंगे। इस संबंध में जब जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ विक्रम पूनिया से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मशीन बुलाकर उसकी सफाई तो करवा दी गई थी। जेई को मैं अभी बोलता हूं जल्द ही उसे ठीक करवा दिया जाएगा।

युवा राष्ट्र निर्माण की अहम कड़ी : दीपक कारवा

- एनएसएस स्वयं सेवकों का राष्ट्र एवं समाज के विकास में बड़ा योगदान : डॉ पवन शर्मा
- सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण युवाओं की सबसे बड़ी जिम्मेदारी : जगबीर राठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। वैश्य महाविद्यालय में कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त को सम्मानित करते हुए।

वैश्य महाविद्यालय भिवानी की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के तत्वावधान में उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित विश्वविद्यालय स्तरीय शिविर के चौथे दिन के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भिवानी के अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल कारवा आई ए एस,

समारोह अध्यक्ष के रूप में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमेन डॉ पवन शर्मा, , विशिष्ट अतिथि चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रघुबीर शांडिल्य, एवं सायंकालीन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष जगबीर राठी, विशिष्ट अतिथि आदर्श महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ अलका मित्तल,पूर्व प्राचार्य डॉ शमशेर सिंह अहलावत,प्राचार्य ए वी डागर,वरिष्ठ कलाकार कौशल भारद्वाज,युवा कलाकार गायक नितिन त्रिखा,वैश्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल,वैश्य महाविद्यालय के डीन एकेडमिक डॉ नरेंद्र चाहर, उपप्राचार्य प्रो धीरज त्रिखा, महाविद्यालय की एन एस एस इकाईयों के प्रभारी डॉ. कामना कौशिक,डॉ मोहनलाल,डॉ हरिकेश पंघाल एवं स्वपोषित विभाग से डॉ प्रोमिला सुहाग एवं स्वयंसेवकों के साथ आए सभी कार्यक्रम अधिकारियों ने शिरकत की। अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर आज के कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया।

सक्रिय भूमिका निभाएं

विशिष्ट अतिथि चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रघुबीर शांडिल्य ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के बलबूते पर युवा एक नई सामाजिक चेतना की अलख जगाकर राष्ट्र की सेवा करते हुए अपना अमूल्य योगदान दे सकते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे समाज में जागरूकता फैलाने, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। सायंकालीन सत्र में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में महर्षि दयानंद विवि रोहतक के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष डॉ जगबीर राठी ने अपने प्रसिद्ध हरियाणवी गीत बोल तेरे मीठे मीठे, बात तेरी साची लागय... से माहौल संगीतमय बना दिया।

पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण कार्यशालाओं में लोगों को दी जा रही जरूरी जानकारी

- भोजन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम रहेगा और सुबह योगा ओर खेल के बाद स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

भारतीय जनता पार्टी द्वारा मंडल स्तर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। भाजपा के बापोड़ा मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक ने बताया कि आगामी 21 मार्च को 24 घंटे चलने वाली कार्यशाला का आयोजन जिला कार्यालय भिवानी में होने जा रहा है, जो सुबह 9 बजे से लेकर 22 मार्च सुबह 8 बजे समापन होगा।

कौशिक ने बताया कि कार्यशाला में 7 वक्ता रहेंगे, जिसमें पहले स्तर के वक्ता जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक रहेंगे और दूसरे स्तर में संदीप श्योराण मार्गदर्शन करेंगे। वहीं तीसरे स्तर में मनोज ढाना और चौथा स्तर नरेंद्र तालु का मार्गदर्शन रहेगा। इसी तरह पांचवें स्तर में मीना परमार व छठा स्तर नंदराम धानिया, सातवें स्तर के वक्ता रमेश लालावास का मार्गदर्शन रहेगा। इसके बाद शाम को भोजन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम रहेगा और सुबह योगा ओर खेल के बाद स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा और बाद में कार्यशाला का समापन होगा। कौशिक ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद कार्यकर्ताओं में एक अलग निखार ओर परिपक्वता देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा समय-समय पर इस प्रकार के प्रशिक्षणों का आयोजन करती रहती है और भाजपा समर्थित कार्यकर्ता साथियों को भी ऐसे प्रशिक्षणों का इंतजार रहता है, क्योंकि यहां बौद्धिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है।

नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को पढ़ना होगा अतिरिक्त अनिवार्य विषय

- बोर्ड प्रकाशित करवाने जा रहा है स्मार्ट पाठ्य पुस्तक, क्यूआर कोड को स्कैन करके विषय को विस्तार से समझ सकेंगे विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। पत्रकारों से बातचीत करते शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. पवन कुमार।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत त्रि-भाषाई सूत्र लागू करने का निर्णय लिया है। इसके अनुसार कक्षा 9वीं व 10वीं के विद्यार्थियों को हिन्दी व अंग्रेजी के अलावा एक अन्य भाषा पढनी होगी, जिसमें संस्कृत/उर्दू/पंजाबी में से किसी एक भाषा को अनिवार्य भाषा के रूप में चयन करना आवश्यक होगा।

इस आशय की विस्तृत जानकारी देते हुए आज यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बोर्ड अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार एवं उपाध्यक्ष श्री सतीश शाहपुर ने बताया कि इस निर्णय से विद्यार्थियों के भाषाई कौशल में सुधार होगा और बहुभाषिक शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस नई व्यवस्था के तहत अब विद्यार्थियों को कुल सात विषयों का अध्ययन करना होगा, जिनमें छः अनिवार्य एवं एक वैकल्पिक विषय होगा।

स्मार्ट पाठ्य पुस्तक होगी प्रकाशित

अतिरिक्त बोर्ड अध्यक्ष डॉ पवन कुमार ने बताया कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए अब स्मार्ट पाठ्य पुस्तक प्रकाशित करवाने जा रहा है, जिसमें हर पाठ्य पुस्तक के साथ प्रकाशित क्यूआर कोड को स्कैन करके विद्यार्थी विषय को विस्तार से समझ सकेंगे। क्यूआर कोड को स्कैन करते ही विद्यार्थी के मोबाइल पर संबंधित पाठ का लैक्चर वीडियो चल जाएगा।

बवानीखेड़ा। टोल को लेकर आयोजित बैठक में उपस्थित निजी बस संचालक।

टोल टैक्स में रियायत को लेकर की बैठक

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा में सुंदर नहर के समीप टॉल प्लाजा से रोजाना निजी विद्यालयों की बसों को हो रहे नुकसान से बचने के लिए निजी विद्यालयों की ओर से बैठक की गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि वे टोल प्लाजा पर जाकर संबंधित अधिकारियों से मिलेंगे। बुधवार को श्री लाल बहादुर शास्त्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सिटी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बीपीआर इंटरनेशनल स्कूल, आरआर शिक्षण संस्थान, बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय आदि निजी विद्यालयों से संजय भारद्वाज, जितेन्द्र शर्मा, उमेश भारद्वाज, पवन महता, मनीष शंकर, ईश्वर सिंह आदि ने टॉल प्लाजा पर पहुंचकर अपनी समस्या के बारे अवगत कराते हुए बताया कि वे पहले की भांति ही सड़क का प्रयोग कर रहे हैं। उन पर जो टोल लग रहा है वह नाजायज है क्योंकि वे केवल उनकी बहुत ही कम सड़क का प्रयोग करते हैं। इसलिए उसमें उन्हें छूट दी जाए। क्योंकि वे पुल आदि का प्रयोग नहीं करते केवल बच्चों की सुविधा के लिए वाहनों का प्रयोग करते हैं। उन्होंने विद्यालयों की बसों के लिए टोल में छूट देने की मांग की। वहीं उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने भी उनकी बातों को सुना और उनकी मांग पर नरमी के संकेत दिए।

जिला में गैस सिलेंडरों का भरपूर स्टॉक मांग से ज्यादा सिलेंडर उपलब्ध : उपायुक्त

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ मुनीश नागपाल ने कहा है कि जिला के नागरिक गैस सिलेंडरों को लेकर चलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान ना दें। जिला में गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक हैं और मांग से भी ज्यादा गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। लोगों को लाइन में लगकर परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऑनलाइन माध्यम से भी आसानी से गैस सिलेंडर की बुकिंग की जा सकती है। उपायुक्त ने बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि कुछ असामाजिक लोगों और सोशल मीडिया द्वारा जिला में गैस सिलेंडरों की कमी होने को लेकर भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। जोकि पूरी तरह से झूठा है। लोगों को ऐसी किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला में मांग से भी ज्यादा संख्या में गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं और सभी एजेंसियों में सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक है। जिला प्रशासन लगातार निगरानी भी कर रहा है और हर रोज स्टॉक व ट्रांजिट की रिपोर्ट ली जा रही है। साथ ही सभी एजेंसियों को स्टॉक की पूर्ण जानकारी प्रतिदिन के आधार पर चस्पा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिला में तीन कंपनियों की एजेंसियां है, जिनमें आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल शामिल हैं। इन कंपनियों के साथ जुडे उपभोक्ताओं के आधार पर प्रतिदिन 1836 सिलेंडरों की मांग आती है। जबकि बुधवार सुबह की स्थिति के अनुसार जिला में 1664 सिलेंडरों का स्टॉक है और 1890 सिलेंडर ट्रांजिट में हैं। ऐसे में जिला में मांग से लगभग दोगुने सिलेंडर प्रतिदिन उपलब्ध रहते हैं। अलग अलग कंपनी की बात की जाए तो आईओसीएल के पास प्रतिदिन की मांग 1475, स्टॉक 1460 और 720 सिलेंडर ट्रांजिट में हैं। इसी प्रकार एचपीसीएल में प्रतिदिन की मांग 80, स्टॉक 25 व 360 सिलेंडर ट्रांजिट में और बीपीसीएल में प्रतिदिन की मांग 281, स्टॉक 179 व 810 सिलेंडर ट्रांजिट में हैं। उपायुक्त ने जिला के लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है।

20 मई को होगा बिजली मंत्री के आवास का घेराव, मांगें पूरी नहीं होने तक होगा आंदोलन

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी कर्मचारी नहीं किए पक्के

ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर्स यूनियन की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। मांगों को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित करता एक वक्ता।

सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर्स यूनियन की शहरी यूनिट की बैठक बुधवार को सब ऑर्डिनेट रेस्ट हाउस में आयोजित की गई। शहरी प्रधान रविंद्र यादव की अध्यक्षता व राजेश दुल्हेड़ी के संचालन में हुई इस बैठक में सरकार द्वारा कच्चे कर्मचारियों को पक्का न करने की नीति के खिलाफ कड़ा रोष व्यक्त किया गया और आगामी बड़े आंदोलन की घोषणा की गई। बैठक में राज्य ऑडिटर धर्मवीर सिंह भाटी, राज्य सचिव लोकेश कुमार, राज्य कमेटी से चांदराम, सर्कल सचिव अशोक गोयत, विशेष रूप से मौजूद रहे। यूनियन के नेताओं ने बताया कि माननीय पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने 31 दिसंबर 2025 को एक आदेश जारी कर सरकार को सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने के निर्देश दिए थे। लेकिन, सरकार ने इस पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। इसी के विरोध में पूरे हरियाणा की सभी यूनिटों पर विरोध प्रदर्शन और बैठकें आयोजित किए गए। इस मौके पर शहरी यूनिट प्रधान रविंद्र यादव ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने से बचने के लिए कौशल रोजगार निगम का गठन किया है। इस निगम का न तो कोई स्थाई कार्यालय है और न ही किसी अधिकारी का पता है।

कौशल रोजगार निगम को तुरंत भंग करने की मांग

इस दौरान यूनियन ने मांग की है कि इस कौशल रोजगार निगम को तुरंत भंग किया जाए और सभी कच्चे कर्मचारियों को सीधे विभाग के रोल पर लिया जाए, ताकि विभाग का कार्य सुचारू और सुरक्षित ढंग से हो सके। सिवानी सब-यूनिट के कोषाध्यक्ष सतीश कुमार पुनिया ने आगामी रणनीति साझा करते हुए बताया कि यूनियन की राज्य कमेटी ने एक विशेष प्रोफार्मा तैयार किया है। इस प्रोफार्मा को लेकर फील्ड में जाकर तमाम कच्चे कर्मचारियों से हस्ताक्षर करवाए जाएंगे। यह हस्ताक्षर अभियान एक बड़े जन-आंदोलन का रूप लेगा। यूनियन ने साफ कर दिया है कि इन हस्ताक्षरों को लेकर 20 मई को प्रदेश के बिजली मंत्री के आवास का घेराव किया जाएगा और उन्हें अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रवक्ता अभिषेक शर्मा, रामलाल, कमल सिंह, नरेंद्र बामला, अमित कुमार, धीरज, गोपाल, अनिल कुमार, सतीश तंवर, अशोक साहनी, रामनिवास फौजी, बिजेंद्र, राजू, छोटूराम, सुखबीर सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सूचना

मैं, सुभाष सैनी पुत्र ताराचंद निवासी ढाणी सुरजा, वार्ड नंबर-3, लोहारू, तहसील लोहारू, जिला भिवानी, हरियाणा-127201 बयान करता हूं कि मेरे समस्त दस्तावेज में मेरा नाम सुभाष सैनी है जबकि मेरे पासपोर्ट नंबर P3161431 में मेरा नाम सुभाष है। अब मैंने मेरा नाम सुभाष से सुभाष सैनी रख लिया है। भविष्य में मुझे सुभाष सैनी के नाम से जाना जाए।

खबर संक्षेप

श्रद्धा के साथ लगाया बुधवारी माता का भंडारा

भिवानी। महम रोड स्थित बुधवारी माता मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का संगम देखने को मिला। यहां माता के 10वें भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान पूरा वातावरण जय माता दी के जयकारों से गुंजायमान रहा।

कमबीर बौद्ध के राज्यसभा सदस्य चुनने पर जश्न

बाढ़ड़ा। बाढ़ड़ा कांग्रेस पदाधिकारियों ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कर्मबीर बौद्ध के राज्यसभा सदस्य चुने जाने पर बधाई दी तथा भाजपा सरकार पर संविधान के नैतिक मूल्यों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्मबीर बौद्ध जैसे साधारण कार्यकर्ता को राज्यसभा भेजने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, प्रदेश प्रभारी बीके हरिप्रसाद व प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह का आभार जताया।

डॉ. सुरेंद्र बने टीचर्स एसोसिएशन के प्रधान

भिवानी। हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन के भिवानी जोन के चुनाव वैश्य महाविद्यालय में संपन्न हुए, जिसमें जनता कॉलेज चरखी दादरी के डॉ. सुरेंद्र सिंह को सर्वसम्मति से प्रधान, महिला महाविद्यालय झोझूकलां के डॉ. मुन्नी चौधरी को उपप्रधान व वैश्य महाविद्यालय से डॉ. मंगतराम को महासचिव चुना गया।

भाजपा की प्रशिक्षण कार्यशाला 21 को

तोशाम। भारतीय जनता पार्टी द्वारा 21 मार्च शनिवार को तोशाम में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। मंडल अध्यक्ष विक्की महता ने बताया कि भाजपा मंडल स्तर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन कर रही है। तोशाम की पंजाबी धर्मशाला में 21 को प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित होगी, जिसमें मुख्यतिथि के तौर पर जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक, पूर्व जिला अध्यक्ष नंदराम, मीना परमार, संदीप रहेंगे।

टीम ने कॉलेज में मॉक ड्रिल कर आपदा में बचाव के तरीके बताए

मकान गिरने व केमिकल-गैस रिसाव के दौरान बचाव व राहत कार्यों की मॉक ड्रिल ⏭ मॉक ड्रिल के दौरान छात्राओं को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में स्थानीय राजीव गांधी राजकीय महिला कॉलेज में एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की संयुक्त टीमों द्वारा आपदा प्रबंधन को लेकर जागरूकता मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान मकान गिरने व केमिकल रिसाव के दौरान बचाव व राहत कार्यों की मॉक ड्रिल की गई। इस दौरान छात्राओं व स्टाफ को आपदा के समय बचाव के विभिन्न तरीकों की विस्तार से जानकारी दी।

मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ से सहायक कमांडेंट देवेन्द्र प्रकाश, इंस्पेक्टर अशित कुमार, रणजीत मिश्रा, सब इंस्पेक्टर धर्मांश यादव तथा एसडीआरएफ से इंस्पेक्टर सुरेश कुमार, भिवानी आपदा प्रबंधक प्रवीण कुमार तथा फायर ब्रिगेड से फायरमैन राहुल चौहान, भूपेन्द्र, मुकेश व सुनील ने बचाव कार्य का प्रदर्शन किया। एनडीआरएफ की दो टीमों में 65 व एसडीआरएफ की टीम में 25 जवान शामिल रहे। मॉक ड्रिल में भिवानी से पुलिस जवान व स्वास्थ्य विभाग की टीम भी शामिल रही।

मकान गिरने से आई आपदा की मॉक ड्रिल में परिवार का एक सदस्य लेंटर के मलबे के नीचे दब गया। जिसको डॉग स्क्वायड की मदद से खोजा गया। लेंटर को कटर से काटकर उसके नीचे दबे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला गया, लेकिन लेंटर गिरने से व्यक्ति के पैर में चोट आई, जिसको उसी समय मौके पर पहुंची एंबुलेंस के माध्यम से प्राथमिक उपचार दिया गया। केमिकल प्रभाव को कम करने के लिए पानी से नहलाने के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

भिवानी। कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मॉक ड्रील के लिए लाए गए उपकरण व मॉक ड्रील के तहत घायल को ले जाते हुए। फोटो : हरिभूमि

मॉक ड्रील में केमिकल रिसाव प्रदर्शित किया

दूसरी ओर मॉक ड्रील में केमिकल रिसाव प्रदर्शित किया गया। बचाव की टीम ने जानकारी देते हुए बताया कि केमीकल या किसी भी प्रकार की जहरीली गैस के रिवास के दौरान हवा का रूख देखना जरूरी है और उस तरफ जाना चाहिए, जिस तरफ हवा के माध्यम से गैस न आए। इसी प्रकार से एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमों ने मॉक ड्रिल में भूकंप, आगजनी और अन्य आपात स्थितियों में तुरंत प्रतिक्रिया देने के तरीके प्रदर्शित किए। उन्होंने बताया कि संकट के समय घबराने के बजाय संयम रखते हुए सही कदम उठाना बेहद जरूरी होता है। मॉक ड्रिल के दौरान रेस्क्यू ऑपरेशन, प्राथमिक उपचार और सुरक्षित स्थान तक लोगों को पहुंचाने की प्रक्रिया का लाइव प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग, फायर बिग्रेड, पुलिस, रेडक्रास आदि विभागों से आह्वान करते हुए कहा कि वे आपदा के दौरान काम आने वाले जरूरी उपकरण को सही व दुरूस्त रखें।

सरसों-गेहूं खरीद में फोटो और अंगूठे की शर्त को हटाने की मांग

सरकारी खरीद में लागू किए नए नियमों का किया विरोध

अन्नदाताओं को सुविधाओं के बजाय नियमों के जाल में उलझा रही है सरकार : जयप्रकाश बराला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भारतीय किसान संघ ने किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर हुंकार भर दी है। प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद संघ के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें मुख्य रूप से सरसों और गेहूं की सरकारी खरीद के दौरान लागू किए गए नए नियमों जैसे किसान का फोटो खींचना और बायोमेट्रिक को तुरंत हटाने की मांग की गई है। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने प्रदेश मंत्री एवं बिजली आयाम प्रमुख महिपाल बड़दू के नेतृत्व एवं जिला अध्यक्ष अजमेर तालु व जिला मंत्री जयप्रकाश बराला की अध्यक्षता में उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। वही बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय राष्ट्रीय अध्यक्ष के. साईं रेड्डी ने की, जबकि चित्तौड़ राजस्थान से आए प्रभारी मनीराम लबाना विशेष रूप से उपस्थित रहे। बता दे कि भारतीय किसान संघ अपने स्थापना के 50वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस उपलक्ष्य में हरियाणा के 5 हजार गांवों में 5 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नेशनल हाईवे के निर्माण के समय जल निकासी की गलत ड्राइंग के कारण किसानों के खेत जलमग्न हैं। इसके समाधान के लिए महीपाल बड़दु के नेतृत्व में एक विशेष टोली बनाई गई है, जो पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेगी। उपायुक्त को सौंपे ज्ञापन के दौरान जिला अध्यक्ष अजमेर तालु व जिला मंत्री जयप्रकाश बराला ने मंडी में लागू नए नियमों को किसान विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि किसान को अपनी ही फसल बेचने के लिए अपराधी की तरह बायोमेट्रिक और फोटो की प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है, जो स्वीकार्य नहीं है।

भिवानी। नए नियमों के विरोध में ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

भारतीय किसान संघः बायोमेट्रिक की शर्त मंजूर नहीं

उन्होंने कहा कि फसल खरीद के लिए सुबह 9 से शाम 5 बजे का समय और शनिवार-रविवार की छुट्टी का नियम गलत है। किसान 24 घंटे काम करता है, तो अनाज बेचने के लिए छुट्टियां क्यो। उन्होंने कहा कि किसान दिन-रात मेहनत करके अनाज उगाता है। सरकार उसे सुविधाओं के बजाय नियमों के जाल में उलझा रही है। अगर शनिवार-रविवार की छुट्टी और बायोमेट्रिक की शर्तें नहीं हटाई गईं, तो भारतीय किसान संघ चुप नहीं बैठेगा। संघ के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि इन नियमों में तुरंत सुधार नहीं हुआ, तो संघ मंडियों में उतरकर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह, महेंद्र, प्रदेश अध्यक्ष सतीश, विजय, सुनील चहल, मा. ईश्वर सिंह, सविता मोर, सज्जन धनाना, राज सिंह तालु, कुलदीप महला, मांगेराम, रामचंद्र, परिता हिसार सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

मौसम के करवट बदलने से आसमान में बादलवाई ने बढ़ाई किसानों की चिंता

भिवानी। करीब एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार मौसम का अचानक मिजाज बदल गया। आसमान में काले बादल छाने की वजह से किसानों की हार्टबीट बढने लगी। शाम पौने छह बजे हलकी बारिश शुरू हुई, लेकिन आसमान मे बार बार बदल रहा मौसम व हवा की बढ़ती रफ्तार ने किसानों के लिए परेशानी बढ़ा दी। दूसरी तरफ तेज हवा की वजह से सरसों व गेहूं की फसल जमीन पर बिछने के आसार बन गए हे। शाम को करीब पांच बजे के आसपास अचानक आसमान में काले बादल छा गए। लोगों को लगा कि कुछ देर बाद आसमान साफ हो जाएगा,लेकिन हवा चलने की वजह से बादलों का जमघट और बढ गया। करीब साढ़े पांच बजे के आसपास हलकी फुव्वारें आई,लेकिन अगले ही पल वे रूक गई। इस दौरान हवा ने गति पकड़ी। करीब छह बजे के आसपास अचानक आसमान से फिर से पानी बरसने लगा और तेज हवा चलने लगी। जिससे किसानों को फसलों के जमीन पर गिरने का भय सताने लगा। बुधवार शाम को आई तेज हवा के साथ बूंदाबांदी की वजह से पारा एकदम नीचे लूढ़क गया। पारा 35 डिग्री सेल्सियस से लूढ़क कर 29 डिग्री पर आ गया।

भिवानी। मौसम का मिजाज बदलने से आसमान में छाए बादलों का दृश्य व हलकी बूंदाबांदी के बीच से गुजरते वाहन। फोटो : हरिभूमि

इग्नू ने दाखिले की तिथि 30 मार्च की

चरखी दादरी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू ने जनवरी 2026 सत्र के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 30 मार्च कर दिया है। यह जानकारी इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मपाल ने दी। उन्होंने बताया कि यह तिथि विस्तार उन सभी पाठ्यक्रमों पर लागू होगा ।

उन्होंने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने इग्नू के पोर्टल पर पहले से पंजीकरण कर लिया है, लेकिन अभी तक फीस का भुगतान नहीं किया है, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे शीघ्र ही अपनी फीस जमा कर अपने प्रवेश को सुनिश्चित करें।

परीक्षाओं में 968 परीक्षार्थी भाग लेंगे

सेकेंडरी की परीक्षा 25 एवं सीनियर सेकेंडरी की 30 व 31 मार्च को होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित करवाई गई सैकेण्डरी व सीनियर सेकेंडरी (शैक्षिक) परीक्षा मार्च-2026 में कुछ परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा की पवित्रता भंग होने के कारण रद्द विषयों की पुनः परीक्षा सेकेंडरी की 25 व सीनियर सेकेंडरी की 30 व 31 मार्च को दोपहर 12:30 से सायं 03:30 बजे तक संचालित करवाई जाएगी। इन परीक्षाओं में 968 परीक्षार्थी भाग लेंगे।

सेकेंडरी परीक्षा के रद्द हुए विषयों की पुनः परीक्षा के लिए केंद्रः परीक्षा की पवित्रता भंग होने के कारण सेकेंडरी परीक्षा के रद्द किए गए विषयों की पुनः परीक्षा 25 मार्च, 2026 को करवाई जाएगी। विस्तृत जानकारी देते हुए बोर्ड अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि जिला चरखी-दादरी के परीक्षा केंद्र रा.क.व.मा.वि., रानीला-02 की गणित(आधार/मानक) विषय की 26 फरवरी की रद्द हुई परीक्षा अब रा.क.व.मा.वि., नजदीक काठ मंडी, चरखी-दादरी-02(बी-1) परीक्षा केंद्र पर तथा जिला-जीन्द के परीक्षा केन्द्र पीएसपीएम व.मा.वि.,झमोला परीक्षा केंद्र की हिन्दी विषय की 28 फरवरी की रद्द हुई परीक्षा अब रा.क.व.मा.वि., जुलाना-01(बी-1) परीक्षा केंद्र पर 25 मार्च, 2026 को दोपहर 12:30 से सायं 03:30 बजे तक संचालित करवाई जाएगी।

रद्द हुए विषयों की पुनः परीक्षा के लिए केंद्र

इस प्रकार सीनियर सेकेंडरी परीक्षा के रद्द किए गए विषयों की पुनः परीक्षा 30 व 31 मार्च, 2026 को संचालित करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला-झज्जर के परीक्षा केन्द्र रा.व.मा.वि., लडरावन की इतिहास व जीव विज्ञान विषय की 06 मार्च की रद्द हुई परीक्षा अब परीक्षा केन्द्र रा.क.व.मा.वि., झज्जर-04 (बी-1) एवं जिला पलवल के परीक्षा केन्द्र रा.क.व.मा.वि., अलावलपुर-02(बी-1) की रसायन विज्ञान एवं लेखाकंन विषय की 09 मार्च की रद्द हुई परीक्षा अब परीक्षा केन्द्र डी.जी. खान हिन्दु व.मा.वि., रेलवे रोड पर होगी।

संबंधित विद्यालयों को किया सूचित

इस संदर्भ में संबंधित विद्यालय मुखियाओं को ई-मेल व दूरभाष के माध्यम से भी सूचित कर दिया गया है। परीक्षाओं का समय दोपहर 12:30 बजे से सायं 03:30 बजे तक रहेगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा से 30 मिनट पूर्व अर्थात 12:00 बजे केन्द्र पर पहुँचना होगा। इसके पश्चात परीक्षार्थियों का केन्द्र में प्रवेश वर्जित रहेगा। परीक्षार्थियों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उनके आस-पास कोई आपत्तिजनक सामग्री तो नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि जिन परीक्षार्थियों की परीक्षाएं रद्द हुई हैं, ऐसे परीक्षार्थी शिक्षा बोर्ड द्वारा पूर्व में जारी किए गए अनुक्रमांक अनुसार ही निर्धारित तिथि व समय पर परीक्षा केन्द्र पर पंहुचना सुनिश्चित करें।

श्रममंत्री ने निर्माण श्रमिकों की मांगों का जल्द समाधान का दिया भरोसा

बाढ़ड़ा। संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चे हरियाणा प्रदेश इकाई ने अंबाला में श्रममंत्री अनिल विज के आवास पर मुलाकात कर उनकी लंबित मांगों के समाधान करने का भरोसा दिया। भवन निर्माण कामगार यूनियन सीटू जिला संयोजक सुमेर सिंह ने बताया कि वार्ता में मंत्री ने श्रमिकों की एक एक मांग पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर अधिकारियों की मौजूदगी में इनके समाधान करने पर चर्चा की। इसमें मांगपत्र में शामिल मांग के रुप में कल्याण बोर्ड के पोर्टल व कार्यालय को जल्द खोलने, गलत सत्यापन की जिला उपायुक्त कार्यालय में अपील कर समाधान करने, छात्रवर्ती योजना जल्द शुरू करने, खंड स्तर पर हेल्प डेस्क खोलने बारे में चर्चा हुई।

मंत्री ने श्रमिकों के समक्ष कहा कि यह सब पोर्टल संचालित करने की हाई अथॉरटी से अप्रूवल मिल गई है जिससे जल्द ही समस्या का समाधान होगा। श्रम मंत्री ने संयुक्त किसान मोर्चे के प्रतिनिधि मंडल से निर्माण मजदूरों की समस्याओं के समाधन के लिए 7 दिन का समय मांगा गया था लेकिन आज 97 दिन हो गये थे। जिससे मोर्चे के प्रतिनिधियों ने मंत्री से बातचीत की गई जिसमें नेताओ ने कहा कि सरकार की नियत और भृष्ट अधिकारियों कर्मचारियों की वजह से निर्माण मजदूरों को बोर्ड की सुविधाओं से वंचित किया गया। जिसमे मजदूरों का कोई दोष नही है। इन्होंने बोर्ड को भष्टाचार का अड्डा बना दिया गया है। प्रदेश की भाजपा सरकार निर्माण श्रमिकों व दलितों व पिछड़ों का हितैषी होने का दावा करती है, जबकि उनके हकों पर डाका डालने का काम राज्य व देश की सरकार कर रही है। जबसे भाजपा सत्ता में आई है, आए दिन दलित, मजदुर, पिछड़े विरोधी फैसला करती आई है। उन्होंने कहा कि सरकार निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड हर रोज नई शर्तें लगाकर निर्माण मजदूरों को लाभ से वंचित कर रही थी।

अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया डिजिटल जनगणना का अभ्यास

सोनीपत। रेड रोज कॉलोनी के निवासियों ने वार्ड 19 से संबंधित अपनी मूलभूत समस्याओं को लेकर विधायक निखिल मदान से मुलाकात की और कॉलोनी में पीने के पानी की लाइन तथा सीवरेज व्यवस्था शुरू करवाने की मांग रखी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह कॉलोनी वर्ष 2003 से आबाद है। पहले इसका नाम देवी लाल कॉलोनी था, लेकिन नगर निगम क्षेत्र में शामिल होने के बाद इसे रेड रोज कॉलोनी के नाम से जाना जाने लगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय बीत जाने के बावजूद यहां आज तक न तो पेयजल पाइपलाइन डाली गई है और न ही सीवरेज लाइन बिछाई गई है, जिसके कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। निवासियों ने बताया कि सीवरेज व्यवस्था के अभाव में स्वच्छता संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं और कई परिवारों को खुले में जाने जैसी मजबूरी झेलनी पड़ रही है। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक से आग्रह किया कि इन समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल कराया जाए।

पुरानी बसी कॉलोनी में अब तक नहीं हुई मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता

अज्ञानता के अंधकार में भटकते मनुष्य को परमात्मा का मार्ग दिखाते हैं गुरु

भिवानी। नव विक्रमी संवत-2083 के आगमन पर कृष्णा कॉलोनी स्थित डा. विद्यासागर चैरिटेबल अस्पताल परिसर का श्री धर्मचन्द तीकिया सभागार भक्ति रस से सराबोर है। तपोभूमि परमहंस योगाश्रम भिवानी के परम पूज्या स्वामी कृष्णानंद सरस्वती के सान्निध्य में आयोजित यह तीन दिवसीय धार्मिक उत्सव आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बन गया है। उत्सव के दूसरे दिन बालयोगिनी साध्वी विभानन्द सरस्वती ने मधुर वाणी से सत्संग की अमृत वर्षा की। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने गुरु महिमा के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डाला। साध्वी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊपर माना गया है, क्योंकि गुरु ही वह प्रकाश स्तंभ है जो अज्ञानता के अंधकार में भटकते मनुष्य को परमात्मा का मार्ग दिखाता है। जिस प्रकार नींव के बिना भवन खड़ा नहीं रह सकता, उसी प्रकार गुरु के मार्गदर्शन के बिना जीवन में स्थिरता और शांति संभव नहीं है।

छोटी काशी में नव संवत्सर का शंखनाद : साध्वी विभानन्द ने किया गुरु महिमा का बखान

मातृशक्ति पार्क में सखियों ने किया पौधरोपण

भिवानी। बुधवार को लघु सचिवालय के समीप मातृशक्ति पार्क में सखियां ग्रुप ने पौधे रोपित करके पौधा रोपण कार्यक्रम चलाया। इस दौरान महिलाओं ने करीब दस पौधे लगाए। महिलाओं ने बताया कि ज्यादा पौधे रोपित करके ही हरियाली को गति दी जा सकती है। पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। उन्होंने सामाजिक संगठनों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में पौधे रोपित करने का आहवान किया। ताकि हरियाली को बढ़ाया जा सके। इस अवसर पर पार्षद संदीप यादव ने कहा कि हरियाली बढाकर ही पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकता है। जितने हम ज्यादा पौधे लगाएंगे,उतनी ही ज्यादा हरियाली बढ़ पाएगी। उन्होंने खासकर महिला संगठनों से आहवान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने पर प्रेरित करें। ताकि हरियाली को बढाया जा सके। इस मौके पर पार्षद सुभाष तंवर, संदीप यादव, केके वर्मा,मनीष बंसल,दर्शन यादव, अंजू अग्रवाल, नमीता अग्रवाल, ममता शर्मा, दीक्षा शर्मा, मीनू अग्रवाल, सुनीता गर्ग, लता गर्ग, सरोज कसेरा आदि मौजूद थे।

किया प्रेरित चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

कार्यशाला में मेमोरी नेमोनिक्स और लर्निंग तकनीकों के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से प्रदान की जानकारी

मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर सीखना और स्वयं का विकास समय की आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य, सीखने की प्रक्रियाओं तथा पारिवारिक एवं सामाजिक सहयोग के महत्व पर गहन चर्चा की। कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. दीप्ति धर्माणी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर सीखना और स्वयं का विकास समय की आवश्यकता है। उन्होंने इस प्रकार की कार्यशालाओं को पेशेवर दक्षता बढ़ाने के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक आयोजनों से प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ-साथ नई सोच और दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर मिलता है, जो उनके पेशेवर जीवन में अत्यंत सहायक सिद्ध होता है। कार्यशाला संयोजक प्रो. वी. एन. यादव, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता भरतवाल, सह-संयोजक डॉ. कल्पना शर्मा एवं डॉ. संगीता शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति भी रही। दूसरे दिन के सत्रों में मुख्यवक्ता सुमित दत्ता ने मेमोरी नेमोनिक्स, लर्निंग तकनीकों, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक समर्थन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रभावी स्मरण शक्ति के लिए नेमोनिक्स तकनीक अत्यंत उपयोगी है तथा सीखने की प्रक्रिया को सरल और स्थायी बनाने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही, उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाए रखने में सामाजिक और मनोवैज्ञानिक सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय वक्ता एनेट क्रूज स्मोलिंस्की ने फैमिली सपोर्ट, जीवन को प्रभावी बनाने की रणनीतियों तथा दैनिक जीवन में अपनाई जाने वाली उपयोगी ट्रिक्स पर अपने विचार साझा किए।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

मानसिक संतुलन जरूरी

मजबूत पारिवारिक सहयोग व्यक्ति के मानसिक संतुलन और समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है तथा छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलाव जीवन को अधिक संतुलित और सफल बना सकते हैं। कार्यशाला के सभी सत्र अत्यंत सहभागितापूर्ण रहे, जिनमें प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए अपने अनुभव और विचार साझा किए। इस दौरान प्रतिभागियों को व्यवहारिक गतिविधियों के माध्यम से विभिन्न तकनीकों का अभ्यास भी कराया गया। कार्यक्रम के अंत में सह संयोजक डॉ कल्पना शर्मा ने दो दिन की वर्कशॉप की रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं आयोजन सचिव डॉ. सोनल शेखावत ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच संचालन कुसुम द्वारा किया गया।